IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, March 2023
Impact Factor: 7.301

# जैन, बौद्ध तथा गांधी दर्शन का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव : एक तुलनात्मक अध्ययन

**लालबिहारी कुशवाहा एवं प्रो. श्रीकान्त मिश्र**
एम. ए./नेट/शोधार्थी प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, दर्शन विभाग
अ. प्र. सिंह विश्वविद्यालय रीवा (म.प्र.)

**शोध सारांश–**

ईसा पूर्व छठी शताब्दी में मध्य गंगा के मैदानों में तत्कालीन सामाजिक संकीर्णता के विरुद्ध प्रतिक्रिया के रूप में जन्मे जैन संप्रदाय ने अपनी समाज सुधार प्रवृत्ति, अपने सिद्धांतों एवं दर्शन से तत्कालीन भारतीय समाज एवं संस्कृति को व्यापक रूप में प्रभावित किया। समाज में सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य के कालजयी सिद्धांत के माध्यम से भारतीय समाज में जो क्रांति हुई उसने भारतीय समाज के प्रत्येक पहलू को प्रभावित किया। भारतीय धर्म, कला, स्थापत्य, साहित्य, भारत का खान–पान कोई भी ऐसा क्षेत्र ना हुआ जिसको जैन धर्म ने प्रभावित ना किया हो। बौद्ध धर्म ने भारतीय संस्कृति को व्यापक रूप में प्रभावित किया। हमारे भारत देश में बौद्ध धर्म के अनुयाई बहुत ही कम हैं और बौद्ध धर्म भारत में लगभग लुप्त हो ही गया है। लेकिन इस धर्म के प्रभाव में आज भी भारतीय संस्कृति में दृष्टिगोचर होता है। भारत में अहिंसा, सहिष्णुता, परोपकार, दया, मानव कल्याण की भावनाओं को विकसित करने का श्रेय बौद्ध धर्म को ही जाता है। बौद्ध धर्म प्राचीन काल से हमारे भारत का राष्ट्रीय धर्म रहा है। अतः इस धर्म में हमारे भारतीय संस्कृति को बहुत कुछ प्रदान किया है। आधुनिक भारतीय चिंतन प्रवाह में गांधी के विचार सार्वकालिक हैं, वे भारतीय उदात्त सामाजिक–सांस्कृतिक विरासत के अग्रदूत भी हैं और सहिष्णुता, उदारता और तेजस्विता के प्रमाणिक तथ्य भी. सत्यशोधक संत भी और शाश्वत सत्य के यथार्थ सामाजिक वैज्ञानिक भी. राजनीति, साहित्य, संस्कृति, धर्म, दर्शन, विज्ञान और कला के अद्‌भुत मनीषी और मानववादी विश्व निर्माण के आदर्श मापदण्ड भी। सम्यक प्रगति मार्ग के चिह्न भी और भारतीय संस्कृति के परम उद्‌घोषक भी। गांधी के लिए वेद, पुराण एवं उपनिषद का सारतत्व ही उनका ईश्वर है और बुद्ध, महावीर की करुणा ही उनकी अहिंसा. सत्य, अहिंसा, ब्रहमचर्य, अस्तेय, अपरिग्रह, शरीर श्रम, आस्वाद, अभय, सर्वधर्म समानता, स्वदेशी और समावेशी समाज निर्माण की परिकल्पना ही उनका आदर्श रहा है। गांधी के आदर्श विचार उनके निजी जीवन तक ही सीमित नहीं रहे, उन विचारों का भारतीय समाज व संस्कृति पर जो प्रभाव पड़ा वह अनेक रूपों में दिखाई पड़ता है।

**बीज शब्द– दर्शन, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, गांधीवाद, भारतीय समाज, संस्कृति, पंचमहाव्रत, आष्टांगिक मार्ग, एकादश व्रत आदि।**

**संदर्भ ग्रंथ सूची**

[1]. शर्मा वेदप्रकाश, (2013) : नीतिशास्त्र के मूल सिद्धांत, एलाइड प्रकाशन, लखनऊ ।
[2]. राधाकृष्णन सर्वपल्ली (1923) : भारतीय दर्शन, जार्ज एलन एंड अनविन पब्लिशर लंदन।
[3]. अंबेडकर बी0 आर0 (1957) : द बुद्धा एंड हिज धम्म, सिद्धार्थ कालेज प्रकाशन, मुम्बई।
[4]. जैन विश्व भारती विवि (2001): जैन संस्कृति एवं जीवन मूल्य, जैन विवि प्रकाशन, लाडनू, राजस्थान।
[5]. शर्मा चंद्रधर (1971) : भारतीय दर्शन आलोचना एवं अनुशीलन, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, नई दिल्ली।
[6]. श्रीवास्तव के0सी0 (1991) : भारत की संस्कृति तथा कला, यूनाइटेड बुक डिपो।
[7]. राजेद्र बाबू, (2013) : गांधी की देन, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
[8]. डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली (2015): हमारी संस्कृति एवं सत्य की खोज, हिंद पॉकेट बुक्स, पुनर्मुद्रित।
[9]. डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली, गौतम बुद्ध और जीवन दर्शन, चतुर्थ संस्करण।
[10]. सिन्हा प्रो0 हरेन्द्र प्रसाद, (2016) : भारतीय दर्शन की रूपरेखा, बनारसीदास प्रकाशन, नई दिल्ली।
[11]. B.R. Ambedkar, Budhha and his Dharma: Sidhharth Prakashn Bomby
[12]. लाल, बसन्त कुमार (2006) : समकालीन भारतीय दर्शन, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।
[13]. पाण्डेय, प्रो. संगमलाल (1968) : गाँधी का दर्शन, दर्शनपीठ इलाहाबाद,
[14]. नैय्यर सुशीला (2016) : बापू की कारावास की कहानी, सस्ता साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली,
[15]. गांधी, मो. क.(1945) : मेरे समकालीन, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद,।
[16]. गांधी, मो. क. (1945) : ब्रह्मचर्य (भाग–1), नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, March 2023
Impact Factor: 7.301

**[17].** बंग, ठाकुरदास : महात्मा गांधी, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, वाराणसी, online edition downoaded from http://www.sssprakashan.com.

**[18].** मिश्रा श्रीकान्त :(2018) भारतीय नीतिशास्त्र एक परिचय, श्रीविनायक प्रकाशन आगरा।

**[19].** कुमार, अभय (2016) : सत्यनिष्ठा, अभिरुचि एवं नैतिकता, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण

**[20].** शर्मा रामशरण (2006): प्राचीन भारत का इतिहास, एन सी आर टी प्रकाशन नई दिल्ली।

**[21].** चंद्र विपिन (2016): भारत का स्वतंत्रता संघर्ष, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली विवि।

**[22].** एन सी ई आर टी (2012) – भारतीय समाज।